

६६

वल्लभसुखगुणः॥

११३ श्रीलालमापरिक्षा

ASHA ARCHIVES 3469

एतन्मिणीगालसायनमशाठालहानया स्यगुलविचालस्यया ॥
पूर्वदिगस कयहलस हलसा नार्यरुनीवागवयवस्यया ॥
नयहलस हलसा धवर्ण्य मलनइयीव वागवयवस्यया
खयहलस हलसा धगग डल्यागइयीवस्यया ॥ ययहल
स हल हलसा कलहइयीव वार्कवयीवस्यया ॥ धूति
पूर्वदिगस हलया यविदा ॥ १ ॥ कयहलस आत्म

दिगस हलसा रुयडत्यकिइयव ॥ नयहलस हलसा ना
इयाकदयीवस्यया ॥ खयहलस नाडाणीक वार्कवयीव
ययहलस आत्मस हलसा अर्थलारुदयीवस्यया ॥ २ ॥
दक्षिणदिगस कयहलस हलसा वनवृद्धिइयीवक्षल ॥ न
हलस दक्षिणस हलसा रुयवाग दयीवक्षल ॥ सायह
लस हलसा सिकया वागवयवस्यया ॥ ययहलस हल

लसा नाईयाकदयीवस्यया ॥ धृतिदक्षिणदिगया ॥
नेसग्यदिगस क्यरुतस रुतसा कलरुवातवयीवस्यया
नयरुलस हलसा नाऊकुलया सिकेवोतवयीवस्यया ॥
सायरुलस हलसा सुवर्णवारुदयीव ॥ धेयरुलस रुत
सा नाऊसिके वातवयीवस्यया ॥ धृतिनेसग्यकतया ॥ ७ ॥
पश्चिमदिगस क्यरुलस हलसा यवदण वनमालिव ॥

नयरुलस हलसा अग्नीरुयमालिवस्यया ॥ ॥ स्वयरुतस रु
लसा मृग्यरायदयीव ॥ धेयरुलस हलसा लारुदयीव
धृतिपश्चिमदिगया यरुल ॥ ८ ॥ वायव्यदिगस क्यरुल
स हलसा वायु कनस हलसा नाऊयसाय कायदयीव ॥
नयरुलस हलसा वरुलारुदयीवस्यया ॥ सायरुलस
हलसा कलरु खंदनमालिव ॥ ॥ धेयरुलस हलसा

१ खान कथा या यून्य कथा याया लम्बी ला गरुल इया ॥
वम्य खान कथा यून्य रुल सुवर्ण गार रुल दयीवा ॥
नूय खान कथाया रुल यून्य न महासूत इयीव ॥
कसिथा खान कथा यून्य रुल न कल प्रागता सं इयीव ॥
रुल वी वूम खान कथा रुल न प्रफुता हा इयीव ॥

प्राणिजातस्वान् वक्त्रिधा कायायूष्यरुलन गात्रायुत ॥
रायस्वानन अर्धयादाया रुलन थम रुदा रुलन दार् ॥
डित्रीस्वान मालतिस्वान दा रुलस्वान ध्वस्वका काया रुलन य
म्यष्टले म्कालन सन्नायश्वी ॐ कायादा रुलनार् ॥
कयगुलिस्वान काया रुलन अकालमृत्पूनास शयीवा ॥

डिगरुलस्वान कायायूष्यरुलन दवसम्भाषश्ली ॥
थव ॐ दवगायक कन्यवलस्वान मकुन लककायायारुल
यालकि लककि काया रुलन थम रुदागुलि रुलन दार् ॥
वन्धनिस्वान कायायूष्यरुलन वागार्थवल वसुलार् ॥
अयवादि स्वान काया रुलन अस्यैश्व रुलनार् ॥
नीय यत्रस्वान कायायूष्यरुलन अर्धयादाया रुलनार् ॥

डावू डखोल खान काया रुलन समस्त कामना रुलनार्ती ॥
चनल खान कायाया रुलन काम रुलनार्ती ॥ ॥ अश्वयखा
न काया यथ रुलन स्वकसकार्य वेलाग नास शली ॥ यनम
श्वल सनायशरी ॥ ॥ वंका लोन अश्वयखान काया रुल ॥
तव कायान वृष खान काय ॥ ॥ दिगवान कनवल खान का
य ॥ ॥ गुलिवान चमय खान काय ॥ ॥ ठुन्दवान यागकाखा

न काय ॥ ॥ कर्णिवान वन्धूनी खान काय ॥ ॥ कासवान काय
खाल वा खान काय ॥ ॥ धिगवान खालयग खान काय ॥ ॥
यासवान गुवृताला खान काय ॥ ॥ स्यागवान जिगखाल खा
न काय ॥ ॥ धर्कवान माधविड खान काय ॥ ॥ चगुलीवान
रधसिखान ॥ ॥ रुउलये नमस्का लयादान वदपमा
नन सिद्धिनायव ॥ ॐ गियूय लोहन रुल समाक ॥ ० ॥

१. कायलीदेवी उरु ॥ १. वामदेवी जलदा ॥
 २. मातृदेवी दासा ॥ २. महालक्ष्मीदेवी धनदा ॥
 ३. कोमादेवी लाहामा ॥ ३. महाकाल जासि ॥
 ४. विष्णुदेवी गदादा ॥ ४. कुमादेवी कसि ॥
 ५. वावाहीदेवी लसि ॥ ५. नारायणदेवी गायकयीस ॥
 ६. न्यायलीदेवी डगला ॥ ६. लवधवता दवा वयाया ॥

६
 ५
 ४
 ३
 २
 १

१. कलनाग खगदा ॥ १. भगवती नियाजानी ॥
 २. दसूर्य धनया दसा ॥ २. धनीद रगवनिदेवी ॥
 ३. सिवाया कनया दसा ॥ ३. खान सय सविश्वर ॥
 ४. निलारा धसावादा ॥ ४. शिवाया शाल वृद्ध धर्म सदा ॥
 ५. धम महादेव या विजै ॥ ५. यवया शाल यवतथागत ॥